February 2026

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 25 फरवरी को जारो एजुकेशन का कैंपस आयोजन

लखनऊ ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में 25 फरवरी 2026 को देश की प्रतिष्ठित ऑनलाइन उच्च शिक्षा कंपनी जारो एजुकेशन द्वारा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जाएगी। यह भर्ती अभियान मैनेजमेंट ट्रेनी (एजुकेशन कंसल्टेंट) पद के लिए आयोजित किया जा रहा है।कंपनी द्वारा जारी विवरण के अनुसार लखनऊ (ज़ोन-2) के लिए चयनित अभ्यर्थियों को ?40,000 प्रतिमाह फिक्स वेतन, 3,000 यात्रा भत्ता, 25,000 तक मासिक प्रोत्साहन तथा ?4,00,000 वार्षिक परफॉर्मेंस-कम-कंटिन्यूटी बोनस प्रदान किया जाएगा। इस प्रकार कुल वार्षिक सीटीसी 12,16,000 निर्धारित है।वहीं मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई एवं गुरुग्राम (ज़ोन-1) के लिए चयनित अभ्यर्थियों को 50,000 प्रतिमाह फिक्स वेतन सहित अन्य लाभ प्रदान किए जाएंगे, जिससे कुल वार्षिक सीटीसी ?14,56,000 तक होगी।जारो एजुकेशन देश के प्रमुख आईआईएम, आईआईटी एवं अन्य शीर्ष संस्थानों के साथ कार्यरत है और एडटेक क्षेत्र में अग्रणी कंपनियों में शुमार की जाती है।उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय में हाल ही में इंफोसिस एवं सेंटम फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'स्किल अपः नई पीढ़ी को सशक्त बनाना' सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें 56 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षण पूर्ण करने पर माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।इस अवसर पर कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा, 'हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ रोजगारोन्मुख अवसर उपलब्ध कराना है। जारो एजुकेशन जैसी प्रतिष्ठित कंपनो का हमारे परिसर में आना विश्वविद्यालय की अकादमिक गुणवत्ता और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सफलता का प्रमाण है। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी इस अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होंगे। 'विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी पात्र विद्यार्थियों से अपील की है कि वे इस सुनहरे अवसर का अधिकतम लाभ उठाएँ और कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में सक्रिय रूप से भाग लें।

कैंपस डायरी

भाषा विवि में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आज

लखनऊ। आईआईएम रोड स्थित ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में बुधवार को ऑनलाइन उच्च शिक्षा कंपनी जारो एजुकेशन की ओर से कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव होगी। कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव की शुरुआत सुबह 10 बजे से होगी। ऐसे में विद्यार्थियों को इससे पहले पहुंचकर अपना पंजीकरण करवाना होगा। यह भर्ती मैनेजमेंट ट्रेनी (एजुकेशन कंसल्टेंट) पदों के लिए की जाएगी। इसमें लखनऊ में चयनित विद्यार्थियों को 40 हजार प्रतिमाह निर्धारित वेतन व तीन हजार रुपये यात्रा भत्ता दिया जाएगा। साथ ही 25 तक मासिक प्रोत्साहन और चार लाख वार्षिक परफॉर्मेंस-कम-कंटिन्यूटी बोनस दिया जाएगा। इस प्रकार कुल वार्षिक पैकेज 12 लाख 16 हजार रुपये निर्धारित है। (संवाद)

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 25 फरवरी को जारो एजुकेशन का कैंपस प्लेसमेंट आयोजन

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 25 फरवरी 2026 को देश की प्रतिष्ठित ऑनलाइन उच्च शिक्षा कंपनी जारो एजुकेशन द्वारा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। यह भर्ती अभियान मैनेजमेंट ट्रेनी (एजुकेशन कंसल्टेंट) पद के लिए आयोजित किया जा रहा है। कंपनी द्वारा जारी विवरण के अनुसार लखनऊ (ज़ोन-2) के लिए चयनित अभ्यर्थियों को ?40,000 प्रतिमाह फिक्स वेतन, ?3,000 यात्रा भत्ता, ?25,000 तक मासिक प्रोत्साहन तथा ?4,00,000 वार्षिक परफॉर्मेंस-कम-कंटिन्यूटी बोनस प्रदान किया जाएगा। इस प्रकार कुल वार्षिक सीटीसी ?12,16,000 निर्धारित की गई है। वहीं मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई एवं गुरुग्राम (ज़ोन-1) के लिए चयनित अभ्यर्थियों को ?50,000 प्रतिमाह फिक्स वेतन सहित अन्य लाभ प्रदान किए जाएंगे, जिससे कुल वार्षिक सीटीसी ?14,56,000 तक होगी। जारो एजुकेशन देश के प्रमुख आईआईएम, आईआईटी एवं अन्य शीर्ष शिक्षण संस्थानों के साथ शैक्षणिक कार्यक्रमों का संचालन करती है और एडटेक क्षेत्र में अग्रणी कंपनियों में शुमार है। यह कंपनी छात्रों को उद्योग आधारित कौशल एवं करियर उन्मुख अवसर प्रदान करने के लिए जानी जाती है।उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय में हाल ही में इंफोसिस एवं सेंटम फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम स्किल अप नई पीढ़ी को सशक्त बनाना सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 56 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिन्हें पूर्णता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ रोजगारोन्मुख अवसर उपलब्ध कराना है। जारो एजुकेशन जैसी प्रतिष्ठित कंपनी का परिसर में आना विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और कौशल विकास पहलों की सफलता को दर्शाता है।विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी पात्र विद्यार्थियों से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाते हुए निर्धारित तिथि पर कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें।

February 2026

भाषा विश्वविद्यालय ने मानसिक स्वास्थ्य के लिए किया ऐतिहासिक एमओयू

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (केएमसीएलयू) ने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, अवसाद प्रबंधन और आत्महत्या रोकथाम को बढ़ावा देने के लिए मानसिक शक्ति फाउंडेशन (स्नस्न) तथा फ्रीडम फ्रॉम पॉवर्टी ट्रस्ट (स्नस्नक्ष्ण) इंडिया/कनाडा के साथ त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय में कार्यशाला आयोजित हुई, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य, कैंपस वेलनेस और आत्महत्या रोकथाम पर विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन दिया। समझौते के तहत डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग, जागरूकता अभियान, संयुक्त शोध, इंटर्नशिप, सेमिनार, फील्ड सर्वे और क्षमता-विकास कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। साथ ही परामर्श तंत्र और सतत कैंपस वेलनेस मॉडल विकसित किया जाएगा। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों के समग्र विकास और सामाजिक दायित्व की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एमओयू पाँच वर्षों के लिए प्रभावी रहेगा। इस अवसर पर डॉ. नीरज शुक्ला, डॉ. पीयूष त्रिवेदी, रजिस्ट्रार डॉ. महेश कुमार, प्रो. डॉ. अमरेश श्रीवास्तव और हेमंत कुमार दीक्षित सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

February 2026

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय ने मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन हेतु किया

ऐतिहासिक एमओयू, विद्यार्थियों के समग्र विकास को मिलेगा नया आयाम

नेक्स्ट मीडिया

लखनऊ ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (केएमसीएलयू), लखनऊ ने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, अवसाद प्रबंधन, आत्महत्या रोकथाम एवं सामुदायिक सशक्तिकरण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मानसिक शक्ति फाउंडेशन (MSF) तथा फ्रीडम फ्रॉम पॉवर्टी ट्रस्ट (FFPT), इंडिया/कनाडा के साथ एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, अवसाद की पहचान, आत्महत्या रोकथाम उपायों तथा कैंपस वेलनेस मॉडल पर विस्तृत चर्चा की गई। विद्यार्थियों ने खुलकर प्रश्न पूछे और विशेषज्ञों ने व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया। यह एमओयू विश्वविद्यालय परिसर एवं समुदाय में संरचित मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग, आत्महत्या रोकथाम अभियान, शोध परियोजनाएं, कार्यशालाएं, सेमिनार, छात्र इंटर्नशिप, कौशल विकास एवं सामुदायिक सहभागिता गतिविधियों के संचालन हेतु किया गया है। समझौते के अंतर्गत संयुक्त शोध, फील्ड सर्वे, डेटा विश्लेषण, थीसिस सहयोग, अकादमिक प्रकाशन तथा छात्र-छात्राओं के लिए इंटर्नशिप एवं क्षमता-विकास कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसके साथ ही मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग टूल्स, परामर्श तंत्र, रेफरल पाथवे एवं सतत कैंपस वेलनेस फ्रेमवर्क विकसित करने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने इस अवसर पर कहा—

एमओयू विद्यार्थियों और समाज के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। आज के समय में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। इस साझेदारी के माध्यम से हम न केवल विश्वविद्यालय परिसर में बल्कि व्यापक समुदाय में भी सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे। यह पहल विद्यार्थियों के समग्र विकास, शोध-उन्मुख शिक्षा तथा सामाजिक दायित्व के निर्वहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय सदैव समावेशी एवं न्यायसंगत शिक्षा, कौशल विकास, रोजगारपरकता संवर्धन तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों को प्राथमिकता देता रहा है। यह सहयोग राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह एमओयू पाँच वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा तथा आपसी सहमति से इसे आगे भी विस्तारित किया जा सकेगा। इस समझौते के माध्यम से केएमसीएलयू मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक विकास एवं अकादमिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में एक सशक्त मॉडल स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। इस मौके पर डॉ नीरज शुक्ला ,डॉ पीयूष त्रिवेदी ,रजिस्ट्रार डॉ महेश कुमार ,प्रोफ डॉ अमरेश श्रीवास्तव, हेमंत कुमार दीक्षित मौजूद रहे।

February 2026

मन की सेहत अब पढ़ाई का हिस्सा

भाषा विवि में शुरू होंगी वेलनेस कक्षाएं

लखनऊ। पढ़ाई के साथ अब विद्यार्थियों के मन और मानसिक संतुलन को भी प्राथमिकता दी जाएगी। राजधानी के ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (केएमसीएलयू) में स्नातक और परास्नातक विद्यार्थियों के लिए निशुल्क मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन कक्षाएं शुरू की जाएंगी।

इस दिशा में विश्वविद्यालय ने मानसिक शक्ति फाउंडेशन तथा फ्रीडम फ्रॉम पॉवर्टी ट्रस्ट इंडिया व कनाडा के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यशाला के माध्यम से इस पहल की शुरुआत हुई। (संवाद)

मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए भाषा विवि ने किए दो एमओयू। मौके पर मौजूद कुलपति प्रो. अजय तनेजा (कोट में) और शक्ति फाउंडेशन व फ्रीडम फ्रॉम पॉवर्टी ट्रस्ट के प्रतिनिधि। स्रोत : विवि

February 2026

ताइक्वांडो व आर्म रेसलिंग 26 विद्यार्थियों ने लिया भाग

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में ताइक्वांडो (महिला) व आर्म रेसलिंग (पुरुष) खिलाड़ियों/टीमों का चयन ट्रायल का आयोजन भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में कुलपति महोदय प्रोफेसर अजय तनेजा जी के मार्गदर्शन में आगामी प्रतियोगिताओं के दृष्टिगत किया गया इस चयन प्रक्रिया में 26 विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया ताइक्वांडो कोच प्रमोद कुमार तिवारी और आर्म रेसलिंग कोच हिमांशु मिश्रा के निर्देशन में पूरा किया गया इस अवसर पर उपाध्यक्ष (क्रीडा परिषद) डॉ नीरज शुक्ल ने चयन ट्रायल में विद्यार्थियों को उत्साहित किया और उन्हें आगामी प्रतियोगिताओं के लिए प्रेरित किया साथ ही माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर अजय तनेजा जी ने चयनित खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिताओं में सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। चयन ट्रायल का संचालन डॉ मोहम्मद शारिक सदस्य सचिव (क्रीडा परिषद) के पर्यवेक्षण में डॉ हसन मेहदी के सहयोग द्वारा किया गया। इस आयोजन ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को खेल के प्रति और अधिक उत्साहित किया है और आगामी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है चयनित खिलाड़ियों की सूची क्रीडा परिषद के कार्यालय के सूचना पट पर चस्पा एवं विश्वविद्यालय वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाएगी।

February 2026

طلبہ کی ہمہ جہت ترقی کے لیے ذہنی صحت ناگزیر: پروفیسر اجے تنیجا

خواجہ یونیورسٹی میں ذہنی صحت کے فروغ کے لیے تاریخی مفاہمتی یادداشت پر دستخط

لکھنؤ 21 فروری 2026 (ت ن س) خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی نے ذہنی صحت سے متعلق بیداری، ڈپریشن کے نظم و نسق، خودکشی کی روک تھام اور سماجی بااختیاری کے فروغ کے مقصد سے مینٹل شلتی فاؤنڈیشن اور فریڈم فرام پاورٹی ٹرسٹ انڈیا کینیڈا کے ساتھ ایک اہم سہ فریقی مفاہمتی یادداشت (ایم او یو) پر دستخط کیے ہیں۔ اس تاریخی معاہدے کے ذریعے طلبہ کی ہمہ جہت ترقی کو ایک نیا رخ ملے گا۔ اس موقع پر یونیورسٹی کیمپس میں ایک خصوصی ورکشاپ کا بھی انعقاد کیا گیا جس میں ماہرین نفسیات، اساتذہ اور طلبہ نے بھرپور شرکت کی۔ پروگرام کے دوران ذہنی صحت کی اہمیت، ڈپریشن کی شناخت، خودکشی کی روک تھام کے موثر طریقے اور کیمپس ویلنس ماڈل پر تفصیلی گفتگو کی گئی۔ طلبہ نے کھل کر سوالات کیے اور ماہرین نے عملی رہنمائی فراہم کی۔ اس ایم او یو کے تحت یونیورسٹی اور معاشرے میں منظم ذہنی صحت بیداری پروگرام، ڈیجیٹل ذہنی صحت اسکریننگ، خودکشی کی روک تھام کی مہمات، تحقیقی منصوبے، ورکشاپس، سیمینار، طلبہ کے لیے انٹرن شپ، ہنرمندی کی ترقی اور سماجی شمولیت سے متعلق سرگرمیاں انجام دی جائیں گی۔ معاہدے کے دائرے میں مشترکہ تحقیق، فیلڈ سروے، ڈیٹا تجزیہ، تھیسس میں تعاون، علمی اشاعت اور طلبہ کے لیے انٹرن شپ و صلاحیت سازی پروگرام بھی شامل ہیں۔ اس کے علاوہ ذہنی صحت اسکریننگ ٹولز، مشاورتی نظام، ریفرل پاتھ وے اور پائیدار کیمپس ویلنس فریم ورک کی تیاری پر بھی کام کیا جائے گا۔ یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے اس موقع پر کہا کہ یہ ایم او یو طلبہ اور معاشرے کی ذہنی صحت کے تئیں یونیورسٹی کی سنجیدہ وابستگی کا مظہر ہے۔ آج کے دور میں ذہنی صحت سے متعلق بیداری بے حد ضروری ہے۔

اس شراکت داری کے ذریعے ہم نہ صرف یونیورسٹی کیمپس بلکہ وسیع تر سماج میں بھی مثبت تبدیلی لانے کی کوشش کریں گے۔ یہ اقدام طلبہ کی ہمہ گیر ترقی، تحقیقی تعلیم اور سماجی ذمہ داری کی انجام دہی کی سمت ایک اہم قدم ہے۔ انہوں نے مزید کہا کہ یونیورسٹی ہمیشہ جامع، منصفانہ تعلیم، ہنرمندی کے فروغ، روزگار کے مواقع اور سماجی بہبود سے متعلق پروگراموں کو ترجیح دیتی آئی ہے۔ یہ تعاون قومی اور علاقائی سطح پر ذہنی صحت کے فروغ میں نمایاں کردار ادا کرے گا۔ یہ ایم او یو پانچ برس کی مدت کے لیے موثر رہے گا جسے باہمی رضامندی سے مزید توسیع دی جا سکے گی۔ اس معاہدے کے ذریعے کے ایم سی ایل یو ذہنی صحت، سماجی ترقی اور علمی امتیاز کے میدان میں ایک مضبوط ماڈل قائم کرنے کی سمت گامزن ہے۔ اس موقع پر ڈاکٹر نیرج شکلا، ڈاکٹر پیوش ترپاٹھی، رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار، پروفیسر ڈاکٹر امریش شریواستو اور ہیمنت کمار وکشت بھی موجود رہے۔

February 2026

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में ताइक्वांडो टीमों का चयन ट्रायल आयोजन किया गया

(सज्जाद वाकर से)

लखनऊ 20 फरवरी (एस एस बुलेटिन) ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में ताइक्वांडो (महिला) व आर्म रेसलिंग (पुरुष) खिलाड़ियोंध्टीमों का चयन ट्रायल का आयोजन भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में कुलपति अजय तनेजा के मार्गदर्शन में आगामी प्रतियोगिताओं के दृष्टिगत किया गया इस चयन प्रक्रिया में 26 विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया ताइक्वांडो कोच प्रमोद कुमार तिवारी और आर्म रेसलिंग कोच हिमांशु मिश्रा के निर्देशन में पूरा किया गया इस अवसर पर उपाध्यक्ष (क्रीडा परिषद) डॉ० नीरज शुक्ल ने चयन ट्रायल में विद्यार्थियों को उत्साहित किया और उन्हें आगामी प्रतियोगिताओं के लिए प्रेरित किया साथ ही माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर अजय तनेजा ने चयनित खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिताओं में सफलता के लिए शुभकामनाएं दी चयन ट्रायल का संचालन डॉ० मोहम्मद शारिक सदस्य सचिव (क्रीडा परिषद) के पर्यवेक्षण में डॉ० हसन मेहदी के सहयोग द्वारा किया गया।

इस आयोजन ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को खेल के प्रति और अधिक उत्साहित किया है और आगामी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है चयनित खिलाड़ियों की सूची क्रीडा परिषद के कार्यालय के सूचना पट पर चस्पा एवं विश्वविद्यालय वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाएगी इस अवसर पर क्रीडा परिषद (सदस्य) डॉ० बुशरा अलवीरा उपस्थिति रही।

February 2026

भाषा विश्वविद्यालय में कुलपति को निरीक्षण में अनुपस्थित मिले शिक्षक

जागरण संवाददाता • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने गुरुवार को कैंपस के शैक्षणिक भवन और कक्षाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कुछ जगह कई शिक्षक अनुपस्थित मिले। इस पर कुलपति ने विभागाध्यक्षों से कारण स्पष्ट करने के निर्देश दिए हैं।

निरीक्षण के दौरान अधिकांश कक्षाएं नियमित रूप से संचालित पाई गईं। वहीं, कुछ कक्षाओं में शिक्षक अनुपस्थित रहे। कक्षाओं में उपस्थित छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए कुलपति ने उन्हें नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहने के लिए कहा। यह भी स्पष्ट रूप से कहा कि शासन ने 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य कर दी है, इसलिए सभी छात्र-छात्राएं अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जिन विद्यार्थियों की उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम होगी, उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कुलपति ने सभी विभागाध्यक्षों और शिक्षकों को निर्देशित किया कि शैक्षणिक अनुशासन व नियमित कक्षा संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल सके। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी विद्यार्थियों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करते हुए नियमित अध्ययन में भाग लें और शैक्षणिक भविष्य को सुदृढ़ बनाएं।

February 2026

कुलपति प्रो. अजय तनेजा का अकैडमिक बिल्डिंग में औचक निरीक्षण, 75% उपस्थिति अनिवार्य नियमों के पालन के निर्देश

(सज्जाद वाकर से)

लखनऊ 19 फरवरी (एस एस बुलेटिन) खघ्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा ने आज विश्वविद्यालय की अकैडमिक बिल्डिंग का औचक निरीक्षण कर कक्षाओं की शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकांश कक्षाएँ नियमित रूप से संचालित पाई गईं, जिस पर कुलपति ने संतोष व्यक्त किया। वहीं कुछ कक्षाओं में शिक्षकों की अनुपस्थिति पाए जाने पर संबंधित विभागों के विभागाध्यक्षों से कारण स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कक्षाओं में उपस्थित छात्र–छात्राओं से संवाद करते हुए उन्हें नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि शासन द्वारा 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है, इसलिए सभी छात्र–छात्राएँ अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जिन विद्यार्थियों की उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम होगी, उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्षों और शिक्षकों को निर्देशित किया कि शैक्षणिक अनुशासन और नियमित कक्षा संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल सके। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी विद्यार्थियों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करते हुए नियमित अध्ययन में भाग लें और अपने शैक्षणिक भविष्य को सुदृढ़ बनाएं।

February 2026

कुलपति को 75% से कम मिली उपस्थिति

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बृहस्पतिवार को एकेडमिक भवन का औचक निरीक्षण किया। विद्यार्थियों की उपस्थिति 75 प्रतिशत से भी कम मिली। हालांकि निरीक्षण के दौरान अधिकांश कक्षाएं नियमित रूप से संचालित पाई गईं। कुलपति ने विभागाध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी विद्यार्थियों की 75 प्रतिशत उपस्थिति रोजाना अनिवार्य है। जो विद्यार्थी रोजाना नहीं नहीं आ रहे हैं उन्हें सूचित किया जाए। (संवाद)

भाषा विवि में नए सत्र से होगी बीपीईएस की पढ़ाई

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र से बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स (बीपीईएस) पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस नए कोर्स को शुरू करने की तैयारियां पूरी कर ली हैं।

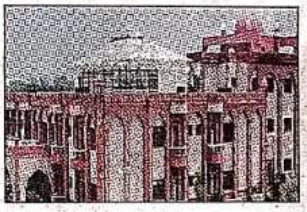

एमटेक बायोटेक्नोलॉजी में एआई इंटीग्रेटेड डिग्री की भी तैयारी

अब तक विवि में स्नातक स्तर पर फिजिकल एजुकेशन विषय में प्रवेश दिया जाता था लेकिन नए सत्र से विद्यार्थियों को बीपीईएस के रूप में अलग पाठ्यक्रम का विकल्प मिलेगा। विश्वविद्यालय की वेबसाइट के डैशबोर्ड पर इस कोर्स को अपलोड कर दिया गया है। ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू होते ही अभ्यर्थियों को पोर्टल पर यह विकल्प दिखाई देगा। प्रारंभिक चरण में 60 से 65 सीटों पर प्रवेश लिए जाने की योजना है।

विश्वविद्यालय नए सत्र से एमटे क बायोटेक्नोलॉजी को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंटीग्रेटेड डिग्री के रूप में संचालित करने की तैयारी भी कर रहा है। इस पाठ्यक्रम में एआई को वैल्यू एडेड विषय के रूप में जोड़ा जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को बायोटेक्नोलॉजी और एआई दोनों क्षेत्रों का समेकित ज्ञान और कौशल प्राप्त होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, इस पहल से फार्मा, बायोटेक, हेल्थकेयर और आईटी जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और विद्यार्थियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता मजबूत होगी। (संवाद)

> विश्वविद्यालय में नए सत्र की प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से पहले इन पाठ्यक्रमों से जुड़ी सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएंगी। नए सत्र से इनकी पढ़ाई शुरू हो जाएगी।
> – प्रो. अजय तनेजा, कुलपति, भाषा विश्वविद्यालय

February 2026

اودھ کی علمی وتہذیبی وراثت پر منظم تحقیق وقت کی اہم ضرورت: پروفیسر عزیز الدین حسین

خواجہ یونیورسٹی کے شعبۂ عربی کی جانب سے منعقدہ دو روزہ بین الاقوامی سمینار کا اختتام

لکھنؤ 11 فروری 2026: خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کے شعبۂ عربی کے زیر اہتمام منعقدہ "عربی اور اسلامی مطالعات میں اودھ کا کردار" کے عنوان سے اہم، وقیع اور فکر انگیز موضوع پر منعقد ہونے والے دو روزہ بین الاقوامی سیمینار کا اختتام اٹل آڈیٹوریم میں نہایت وقار، علمی سنجیدگی اور شاندار انداز میں عمل میں آیا۔ اس عالمی سیمینار میں ملک اور بیرون ملک سے تعلق رکھنے والے ممتاز علماء، محققین، دانشوروں اور ماہرین علوم نے بڑی تعداد میں شرکت کی اور اپنے قیمتی علمی افکار سے سامعین کو فیضیاب کیا۔ سیمینار کے پہلے دن مختلف علمی نشستوں کے دوران اودھ کے خطے میں عربی ادب، اسلامی علوم اور اس کے ہمہ جہت علمی، ادبی، تہذیبی اور ثقافتی کردار پر نہایت جامع، علمی، مغز اور فکر انگیز مباحث ہوئے۔ ان نشستوں میں نہ صرف اودھ کی علمی و تہذیبی فضا کی تشکیل اور اس کی تاریخی اہمیت کو اجاگر کیا گیا بلکہ متعدد نئے زاویہ ہائے فکر اور تازہ سوالات بھی سامنے آئے جنہوں نے مستقبل میں مزید تحقیقی و تنقیدی کام کی راہیں ہموار کیں۔ شرکاء نے اس بات پر زور دیا کہ اودھ کی علمی روایت محض ماضی کا سرمایہ نہیں بلکہ عصر حاضر کے علمی مباحث میں بھی رہنمائی فراہم کرنے کی پوری صلاحیت رکھتی ہے۔

اس بین الاقوامی سیمینار کے اختتامی اجلاس کی صدارت اور مہمان خصوصی کی حیثیت سے معروف مورخ اور ممتاز عالم دین پروفیسر عزیز الدین نے اپنے جامع اور بصیرت افروز خطاب میں مقالہ نگاروں کی پیش کردہ تحقیقات کا نہ صرف گہرائی سے جائزہ لیا بلکہ ان کے مختلف علمی و فکری پہلوؤں، ابعاد اور جہات پر تفصیلی روشنی ڈالی۔ انھوں نے سیمینار کے موضوع کی وسعت، معنویت اور انفرادیت کو اجاگر کرتے ہوئے کہا کہ "عربی اور اسلامی مطالعات میں اودھ کا کردار" ایک ایسا ہمہ گیر اور زرخیز موضوع ہے جس پر مسلسل، منظم اور عمیق تحقیق کی اشد ضرورت ہے۔ انھوں نے اس امر پر زور دیا کہ اس موضوع پر مزید سیمینارز، ورکشاپس اور تحقیقی منصوبے ترتیب دیے جائیں تاکہ اودھ کی علمی و تہذیبی خدمات کو نہ صرف محفوظ کیا جا سکے بلکہ عالمی سطح پر بھی موثر طور پر متعارف کرایا جا سکے۔ انھوں نے مزید کہا کہ ایسے علمی اجتماعات نہ صرف تحقیق کے نئے در وا کرتے ہیں بلکہ اہل علم و دانش کو ایک دوسرے کے تجربات اور افکار سے استفادہ کا موقع بھی فراہم کرتے ہیں جو علمی ارتقا اور فکری بالیدگی کے لیے ناگزیر ہے۔ اس موقع پر پروفیسر عبید اللہ فہد نے سیمینار کی کامیابی کو سراہتے ہوئے کہا کہ سیمیناروں میں سوال و جواب کے سیشن کو مزید فروغ دیا جانا چاہیے تاکہ علمی گفتگو زیادہ بامعنی اور گہرائی اختیار کر سکے، اور نئے مباحث اور تازہ سوالات جنم لے سکیں اور ان پر گہرائی سے بات کی جا سکے۔ پروفیسر حبیب الرحمن نے سیمینار کو نہایت کامیاب، معیاری اور بامقصد قرار دیتے ہوئے منتظمین کو دل کی گہرائیوں سے مبارک باد پیش کی۔ انھوں نے کہا کہ یہ علمی اجتماع اودھ کی تہذیب و ثقافت کے سنجیدہ مطالعے میں ایک اہم سنگ میل ثابت ہوگا اور مستقبل کی تحقیقی کاوشوں کے لیے مضبوط بنیاد فراہم کرے گا۔ پروفیسر ثناء اللہ نے اپنے خطاب میں مستشرقین کی علمی خدمات کا خصوصی طور پر ذکر کرتے ہوئے کہا کہ ان اہل قلم نے اودھ کی تاریخ، تہذیب اور علمی روایت پر گراں قدر اور بیش بہا علمی سرمایہ چھوڑا ہے جو آج بھی محققین کے لیے رہنمائی کا اہم ذریعہ ہے۔ دیگر مقررین میں عبدالرقیب صاحب، ڈاکٹر شرف عالم اور پروفیسر شکیل احمد قاسمی شامل تھے جنہوں نے سیمینار کی ہمہ جہت کامیابی پر مسرت کا اظہار کرتے ہوئے یونیورسٹی کے مثالی انتظامات، شاندار مہمان نوازی اور اعلیٰ علمی ماحول کی بھرپور ستائش کی۔ شعبۂ عربی کے صدر اور سیمینار کنوینر کے ڈین پروفیسر مسعود عالم نے کلمات تشکر ادا کرتے ہوئے یہ بھی بتایا کہ سیمینار میں پچاس سے زائد تحقیقی مقالات پیش کیے گئے جن میں اودھ کے ممتاز علماء اور دانشوروں کی علمی خدمات پر خصوصی روشنی ڈالی گئی۔ انھوں نے مزید کہا کہ اس سیمینار میں پڑھے گئے مقالات کو جلد ہی کتاب کی صورت میں شائع کیا جائے گا۔ اس اختتامی اجلاس کی نظامت شعبۂ عربی کے استاذ ڈاکٹر [illegible] نے بحسن و خوبی انجام دی۔ اس موقع پر پروفیسر فرقان سعید، پروفیسر فخر عالم، ڈاکٹر علی مشرف، ڈاکٹر [illegible]، ڈاکٹر [illegible]، ڈاکٹر [illegible] ترویدی، ڈاکٹر عائشہ شبنم، ڈاکٹر [illegible]، ڈاکٹر محمد نصیب کے علاوہ دیگر اساتذہ اور طلبہ موجود تھے۔

भाषा विवि में सहायक आचार्य (संविदा) की लिखित परीक्षा 10 मार्च को नियत

(संवाददाता)

लखनऊ (एस एस बुलेटिन) ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में सहायक आचार्य (संविदा) पद हेतु आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा की तिथि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा घोषित कर दी गई है। यह परीक्षा 10 मार्च 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में सम्पन्न कराई जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सिविल इंजीनियरिंग एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग की परीक्षा प्रातः 11रु30 बजे से 12रु30 बजे तक कक्ष संख्या 101 में आयोजित होगी। वहीं बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की परीक्षा इसी समय कक्ष संख्या 143 में सम्पन्न होगी। कॉमर्स विषय की परीक्षा दोपहर 01रु00 बजे से 02.00 बजे तक कक्ष संख्या 143 में आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे परीक्षा प्रारम्भ होने से कम से कम 30 मिनट पूर्व परीक्षा केंद्र पर उपस्थित हों तथा अपने साथ प्रवेश पत्र एवं वैध फोटो पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लाएँ। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक श्री विकास ने कहा, "विश्वविद्यालय द्वारा लिखित परीक्षा की सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। परीक्षा को पारदर्शी एवं निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने हेतु आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं। अभ्यर्थी समय का विशेष ध्यान रखें और समय से परीक्षा केंद्र पर पहुँचे। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट अथवा भर्ती प्रकोष्ठ से संपर्क कर सकते हैं।

February 2026

भाषा विवि में हुआ अरबी और इस्लामी अध्ययन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य समापन

नेक्स्ट मीडिया

लखनऊ, ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के अरबी विभाग द्वारा आयोजित 'अवध के अरबी एवं इस्लामी अध्ययन में ऐतिहासिक योगदान पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन अटल सभागार में संपन्न हुआ. संगोष्ठी में देश-विदेश के विद्वानों, शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों ने भाग लिया। पहले दिन विभिन्न सत्रों में अवध क्षेत्र के अरबी साहित्य, इस्लामी विद्या और ऐतिहासिक योगदान पर गहन चर्चा हुई। समापन सत्र में मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों के योगदान की सराहना की तथा इस दिशा में आगे के शोध को प्रोत्साहित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा, यह संगोष्ठी अवध की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने का महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुई। अरबी विभाग भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखेगा। अरबी विभागाध्यक्ष प्रो मसूद आलम ने बताया कि संगोष्ठी में 50 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें अवध के प्रमुख विद्वानों के योगदान पर विशेष प्रकाश डाला गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। समापन सत्र में प्रख्यात विद्वानों ने अपने विचार साझा किए। प्रो. ओबैदुल्लाह फहद ने सेमिनार की सफलता पर प्रकाश डालते हुए कहा, सेमिनार में अधिक से अधिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन होना चाहिए। इससे चर्चा और गहन होगी। उन्होंने अवध क्षेत्र में हुए शैक्षणिक कार्यों पर जोर देते हुए कहा कि यह क्षेत्र सदैव शिक्षा का केंद्र रहा है। इतिहासकार प्रो. अजीजुद्दीन तालिब ने अवध की शैक्षणिक राजधानी के गौरवपूर्ण अतीत का जिक्र करते हुए दुख व्यक्त किया, अंग्रेजों ने अवध की शैक्षणिक राजधानी को लूटकर यहां से ले जाना सुनिश्चित किया, जिससे हमारी विरासत को अपूरणीय क्षति पहुंची। वहीं, प्रो. मुजीबुर रहमान ने सेमिनार की सफलता की सराहना करते हुए कहा, यह अत्यंत उत्कृष्ट सेमिनार रहा है। उन्होंने सभी आयोजकों को हार्दिक धन्यवाद दिया। प्रो. रहमान ने भी समापन अवसर पर सभी आयोजकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह आयोजन अवधी संस्कृति के अध्ययन में मील का पत्थर साबित होगा। प्रो. सनाउल्लाह ने प्राच्यविदों का विशेष उल्लेख किया, जिन्होंने अवध पर अनेक महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखी हैं। उन्होंने इन विद्वानों के कार्यों को अवधी संस्कृति के संरक्षण में अमूल्य बताया। अन्य वक्ताओं में अब्दुल रकीब साहब ने कहा, इस सेमिनार से अवध को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है। डॉ. शर्फ आलम ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए सेमिनार की सफलता पर प्रसन्नता जताई। प्रोफेसर कफील अहमद कासमी ने विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट आतिथ्य के लिए सभी को धन्यवाद दिया, जबकि प्रोफेसर मसूद आलम ने दूर-दराज से पधारे अतिथियों को विशेष रूप से आभार व्यक्त किया समापन सत्र का कुशल संचालन डॉ. मुजम्मिल करीम ने किया। कार्यक्रम में डॉ. पियूष त्रिवेदी, डॉ. जफरुन नकी, डॉ. आयशा शाहनाज फातिमा, डॉ. मुदस्सर, डॉ. शचींद्र शेखर, डॉ. मो. नसीब सहित बड़ी संख्या में विद्वान, शोधार्थी, छात्र और शिक्षाविद् उपस्थित रहे.

February 2026

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में भव्य रोज़गार मेला सम्पन्न, 425 अभ्यर्थियों ने प्रथम चरण किया उत्तीर्ण

उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय के सहयोग से आज 10 फ़रवरी 2026 को ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के परिसर में भव्य रोज़गार मेले का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस रोज़गार मेले में वॉलमार्ट, सुजलॉन, टाटा मोटर्स, हिताची सहित कुल 21 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं आईटीआई के विद्यार्थियों को रोज़गार के अवसर प्रदान किए।रोज़गार मेले के अंतर्गत विद्यार्थियों का रोजगार पोर्टल पर सुव्यवस्थित पंजीकरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली, जिससे आयोजन का वातावरण अत्यंत सकारात्मक और प्रेरणादायक रहा।विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के प्रमुख श्री सुमन मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस रोज़गार मेले को विद्यार्थियों की ओर से अत्यंत उत्साहजनक और अभूतपूर्व प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि कुल 1227 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया। आज आयोजित साक्षात्कार के प्रथम चरण में 425 अभ्यर्थियों ने सफलता प्राप्त करते हुए पहला राउंड क्लियर कर लिया है तथा अब ये सभी अभ्यर्थी चयन प्रक्रिया के अगले चरण (नेक्स्ट राउंड) में सम्मिलित होंगे, जो उनकी सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण रोजगार अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय के सहयोग से ऐसे और अधिक रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को व्यापक स्तर पर रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें और उनका भविष्य सुदृढ़ बन सके

February 2026

भाषा विवि में हुआ अरबी और इस्लामी अध्ययन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य समापन

लखनऊ ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के अरबी विभाग द्वारा आयोजित 'अवध के अरबी एवं इस्लामी अध्ययन में ऐतिहासिक योगदान पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन अटल सभागार में संपन्न हुआ.संगोष्ठी में देश-विदेश के विद्वानों, शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों ने भाग लिया। पहले दिन विभिन्न सत्रों में अवध क्षेत्र के अरबी साहित्य, इस्लामी विद्या और ऐतिहासिक योगदान पर गहन चर्चा हुई। समापन सत्र में मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों के योगदान की सराहना की तथा इस दिशा में आगे के शोध को प्रोत्साहित किया।विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा, 'यह संगोष्ठी अवध की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने का महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुई। अरबी विभाग भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखेगा। अरबी विभागाध्यक्ष प्रो मसूद आलम ने बताया कि संगोष्ठी में 50 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें अवध के प्रमुख विद्वानों के योगदान पर विशेष प्रकाश डाला गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। समापन सत्र में प्रख्यात विद्वानों ने अपने विचार साझा किए। प्रो. ओबैदुल्लाह फहद ने सेमिनार की सफलता पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'सेमिनार में अधिक से अधिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन होना चाहिए। इससे चर्चा और गहन होगी।उन्होंने अवध क्षेत्र में हुए शैक्षणिक कार्यों पर जोर देते हुए कहा कि यह क्षेत्र सदैव शिक्षा का केंद्र रहा है। इतिहासकार प्रो. अजीजुद्दीन तालिब ने अवध की शैक्षणिक राजधानी के गौरवपूर्ण अतीत का जिक्र करते हुए दुख व्यक्त किया, 'अंग्रेजों ने अवध की शैक्षणिक राजधानी को लूटकर यहां से ले जाना सुनिश्चित किया, जिससे हमारी विरासत को अपूरणीय क्षति पहुंची।' वहीं, प्रो. मुजीबुर रहमान ने सेमिनार की सफलता की सराहना करते हुए कहा, 'यह अत्यंत उत्कृष्ट सेमिनार रहा है।' उन्होंने सभी आयोजकों को हार्दिक धन्यवाद दिया। प्रो. रहमान ने भी समापन अवसर पर सभी आयोजकों को

धन्यवाद देते हुए कहा कि यह आयोजन अवधी संस्कृति के अध्ययन में मील का पत्थर साबित होगा। प्रो. सनाउल्लाह ने प्राच्यविदों का विशेष उल्लेख किया, जिन्होंने अवध पर अनेक महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखी हैं। उन्होंने इन विद्वानों के कार्यों को अवधी संस्कृति के संरक्षण में अमूल्य बताया।अन्य वक्ताओं में अब्दुल रकीब साहब ने कहा, 'इस सेमिनार से अवध को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है।' डॉ. शर्फ आलम ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए सेमिनार की सफलता पर प्रसन्नता जताई। प्रोफेसर कफील अहमद कासमी ने विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट आतिथ्य के लिए सभी को धन्यवाद दिया, जबकि प्रोफेसर मसूद आलम ने दूर-दराज से पधारे अतिथियों को विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।समापन सत्र का कुशल संचालन डॉ. मुज़म्मिल करीम ने किया। कार्यक्रम में डॉ. पियूष त्रिवेदी, डॉ. ज़फरुन नकी, डॉ. आयशा शाहनाज फातिमा, डॉ. मुदस्सर, डॉ. शचींद्र शेखर, डॉ. मो. नसीब सहित बड़ी संख्या में विद्वान, शोधार्थी, छात्र और शिक्षाविद् उपस्थित रहे.

February 2026

भाषा विवि में अवध के अरबी एवं इस्लामी अध्ययन में ऐतिहासिक योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का भव्य उद्घाटन: विद्वानों ने नवाबी विरासत को किया सलाम*

लखनऊ ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के अरबी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार 'अवध का अरबी एवं इस्लामिक अध्ययन में योगदान' का दोपहर 12.30 बजे सभागार में भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. अजय तनेजा द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने अपने अध्यक्षीय उद्गार में कहा कि 'यह सेमिनार अवध की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का माध्यम बनेगा और युवा पीढ़ी को प्रेरित करेगा।' प्रो तनेजा ने कहा कि भाषा विश्वविद्यालय की स्थापना का मूल उद्देश्य ही यह है कि भाषाओं के माध्यम से समाज और मानवता के बीच बेहतर समझ, सहअस्तित्व और प्रगति की राह खोली जाए। अरबी भाषा इस दृष्टि से विशेष महत्व रखती है. मुख्य अतिथि भाषा विश्वविद्यालय (केएमसीएलयू) के पूर्व कुलपति डॉ अनीस अंसारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि अरबी सिर्फ़ एक भाषा नहीं, बल्कि इल्म, तहज़ीब और रूहानी विरासत की एक पूरी दुनिया है। अरबी के ज़रिये

न सिर्फ़ इस्लामी दुनिया की क्लासिकी किताबों तक हमारी पहुंच बनती है, बल्कि आज के दौर में खाड़ी देशों और अरब दुनिया से जुड़े रोज़गार, व्यापार और कूटनीतिक रिश्तों के नए दरवाज़े भी खुलते हैं।कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि दानिश आज़ाद अंसारी, राज्य मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण और मुस्लिम वक्फ एवं हज, उप्र सरकार ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की सोच साफ़ है शिक्षा, हुनर और रोज़गार के बेहतर अवसर हर वर्ग तक पहुँचें। अल्पसंख्यक समाज के नौजवान अगर अरबी के साथ-साथ अंग्रेज़ी, कंप्यूटर और अन्य तकनीकी कौशल भी हासिल करें, तो वे किसी भी मैदान में पीछे नहीं रहेंगे। हमारी कोशिश है कि मदरसों और उच्च शिक्षण संस्थानों में भाषा शिक्षा को आधुनिक ज़रूरतों से जोड़ा जाए, ताकि एक मदरसे का छात्र भी यह ख्वाब देख सके कि वह अरबी जानकर आईएएस, प्रोफेसर, दुभाषिया या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाला प्रोफेशनल बन सकता है।कीनोट स्पीकर प्रो ओबेदुल्लाह फहद ने कहा कि 'अवध की अरबी विद्वता का केंद्र लखनऊ रहा है, जहां मौलाना अब्दुल हई फरंगी महली, मौलाना अब्दुल बाकी लखनवी और अल्लामा, शुजाद्दीन लखनवी जैसे महान विद्वानों ने फिक्ह, हदीस और तफसीर पर अमूल्य ग्रंथ रचे। नवाबी काल में स्थापित नादवतुल उलेमा और फिरंगी महल ने इस्लामी शिक्षा को आधुनिक आयाम दिए। आज के दौर में इनकी प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। '

सेमिनार संयोजक प्रो मसूद आलम, अरबी विभागाध्यक्ष ने स्वागत भाषण में बताया कि यह सेमिनार 10-11 फरवरी को आयोजित हो रहा है, कार्यक्रम में 3 से अधिक देशों से जिसमें 15 से अधिक संस्थानों से 200 से अधिक विद्वान, शोधार्थी और छात्र भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अवध ने अरबी साहित्य में उर्दू-अरबी संमिश्रण को जन्म दिया, जो भारतीय इस्लामी चिंतन की विशेषता है।' उद्घाटन सत्र के दौरान प्रो मसूद आलम, डॉ अब्दुल हफ़ीज़, डॉ नीरज शुक्ला, डॉ जफरुन नकी, डॉ नसीब, डॉ मुंतजित मुज्जमिल सहित सभी शिक्षक, विद्यार्थी और प्रतिभागी भारी संख्या में उपस्थित रहे.

February 2026

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में भव्य रोज़गार मेला सम्पन्न, 425 अभ्यर्थियों ने प्रथम चरण किया उत्तीर्ण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय के सहयोग से आज 10 फ़रवरी 2026 को ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के परिसर में भव्य रोज़गार मेले का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस रोज़गार मेले में वॉलमार्ट, सुजलॉन, टाटा मोटर्स, हिताची सहित कुल 21 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं आईटीआई के विद्यार्थियों को रोज़गार के अवसर प्रदान किए। रोज़गार मेले के अंतर्गत विद्यार्थियों का रोजगार पोर्टल पर सुव्यवस्थित पंजीकरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली, जिससे आयोजन का वातावरण अत्यंत सकारात्मक और प्रेरणादायक रहा।

विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के प्रमुख श्री सुम मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस रोज़गार मेले को विद्यार्थियों की ओर से अत्यंत उत्साहजनक और अभूतपूर्व प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि कुल 1227 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया। आज आयोजित साक्षात्कार के प्रथम चरण में 425 अभ्यर्थियों ने सफलता प्राप्त करते हुए पहला राउंड क्लियर कर लिया है तथा अब ये सभी अभ्यर्थी चयन प्रक्रिया के अगले चरण (नेक्स्ट राउंड) में सम्मिलित होंगे, जो उनकी सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण रोजगार अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय के सहयोग से ऐसे और अधिक रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा।

February 2026

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में भव्य रोजगार मेला सम्पन्न, 425 अभ्यर्थियों ने प्रथम चरण किया उत्तीर्ण

(सज्जाद वाकर से)

लखनऊ (एस एस बुलेटिन) उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय के सहयोग से आज 10 फरवरी 2026 को ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के परिसर में भव्य रोजगार मेले का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले में वॉलमार्ट, सुजलॉन, टाटा मोटर्स, हिताची सहित कुल 21 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं आईटीआई के विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान किए। रोजगार मेले के अंतर्गत विद्यार्थियों का रोजगार पोर्टल पर सुव्यवस्थित पंजीकरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली, जिससे आयोजन का वातावरण अत्यंत सकारात्मक और प्रेरणादायक रहा। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के प्रमुख श्री सुमन मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस रोजगार मेले को विद्यार्थियों की ओर से अत्यंत उत्साहजनक और अभूतपूर्व प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि कुल 1227 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया। आज आयोजित साक्षात्कार के प्रथम चरण में 425 अभ्यर्थियों ने सफलता प्राप्त करते हुए पहला राउंड क्लियर कर लिया है तथा अब ये सभी अभ्यर्थी चयन प्रक्रिया के अगले चरण (नेक्स्ट राउंड) में सम्मिलित होंगे, जो उनकी सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण रोजगार अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय के सहयोग से ऐसे और अधिक रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को व्यापक स्तर पर रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें और उनका भविष्य सुदृढ़ बन सके।

February 2026

भाषा विवि में अवध के अरबी एवं इस्लामी अध्ययन में ऐतिहासिक योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का भव्य उद्घाटन

(संवाददाता)

लखनऊ 10 फरवरी (प्रदेश प्रहरी) ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के अरबी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार "अवध का अरबी एवं इस्लामिक अध्ययन में योगदान" का दोपहर 12.30 बजे सभागार में भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. अजय तनेजा द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने अपने अध्यक्षीय उद्गार में कहा कि "यह सेमिनार अवध की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का माध्यम बनेगा और युवा पीढ़ी को प्रेरित करेगा।" प्रो तनेजा ने कहा कि भाषा विश्वविद्यालय की स्थापना का मूल उद्देश्य ही यह है कि भाषाओं के माध्यम से समाज और मानवता के बीच बेहतर समझ, सहअस्तित्व और प्रगति की राह खोली जाए। अरबी भाषा इस दृष्टि से विशेष महत्व रखती है. मुख्य अतिथि भाषा विश्वविद्यालय (केएमसीएलयू) के पूर्व कुलपति डॉ अनीस अंसारी ने अपने

सम्बोधन में कहा कि अरबी सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि इल्म, तहज़ीब और रूहानी विरासत की एक पूरी दुनिया है। अरबी के जरिये न सिर्फ इस्लामी दुनिया की क्लासिकी किताबों तक हमारी पहुंच बनती है, बल्कि आज के दौर में खाड़ी देशों और अरब दुनिया से जुड़े रोजगार, व्यापार और कूटनीतिक रिश्तों के नए दरवाजे भी खुलते हैं।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि दानिश आजाद अंसारी, राज्य मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण और मुस्लिम वक्फ एवं हज, उप्र सरकार ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की सोच साफ है शिक्षा, हुनर और रोजगार के बेहतर अवसर हर वर्ग तक पहुँचें। अल्पसंख्यक समाज के नौजवान अगर अरबी के साथदृसाथ अंग्रेजी, कंप्यूटर और अन्य तकनीकी कौशल भी हासिल करें, तो वे किसी भी मैदान में पीछे नहीं रहेंगे। हमारी कोशिश है कि मदरसों और उच्च शिक्षण संस्थानों में भाषा शिक्षा को आधुनिक जरूरतों से जोड़ा जाए, ताकि एक मदरसे का छात्र भी यह ख्वाब देख सके कि वह अरबी जानकर आईएएस, प्रोफेसर, दुभाषिया या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाला प्रोफेशनल बन सकता है।कीनोट स्पीकर प्रो ओबैदुल्लाह फहद ने कहा कि "अवध की अरबी विद्वता का केंद्र लखनऊ रहा है, जहां मौलाना अब्दुल हई फरंगी महली, मौलाना अब्दुल बाकी लखनवी और अल्लामा, शुजाहीन लखनवी जैसे महान विद्वानों ने फिक्ह, हदीस और तफसीर पर अमूल्य ग्रंथ रचे। नवाबी काल में स्थापित नादवतुल उलेमा और फिरंगी महल ने इस्लामी शिक्षा को आधुनिक आयाम दिए। आज के दौर में इनकी प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है।"सेमिनार संयोजक प्रो मसूद आलम, अरबी विभागाध्यक्ष ने स्वागत भाषण में बताया कि यह सेमिनार 10–11 फरवरी को आयोजित हो रहा है, कार्यक्रम में 3 से अधिक देशों से जिसमें 15 से अधिक संस्थानों से 200 से अधिक विद्वान, शोधार्थी और छात्र भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा, "अवध ने अरबी साहित्य में उर्दू–अरबी संमिश्रण को जन्म दिया, जो भारतीय इस्लामी चिंतन की विशेषता है।" उद्घाटन सत्र के दौरान प्रो मसूद आलम, डॉ अब्दुल हफीज, डॉ नीरज शुक्ला, डॉ जफरुन नकी, डॉ नसीब, डॉ मुंतजित मुज्जमिल सहित सभी शिक्षक, विद्यार्थी और प्रतिभागी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

दैनिक
प्रदेश प्रहरी
स्वामित्वकारी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा दीक्षित द्वारा टाइम्स टेली सिस्टम प्रा0लि0 प्रकाशन, गोमतीनगर लखनऊ,उ0प्र0 से मुद्रित एवं A7, रामा अपार्ट मेन्ट 51, रामतीर्थ मार्ग नरही हजरतगंज लखनऊ से प्रकाशित।
सम्पादक
अतुल कुमार श्रीवास्तव
Mo- 09839025286
0522-2288883
Email: dainikpp@gmail.com

February 2026

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com
लखनऊ
मंगलवार
10 फरवरी 2026
05

भाषा विश्वविद्यालय में रोजगार मेला आज

भाषा विश्वविद्यालय में सेवायोजन विभाग के सहयोग से 10 फरवरी को रोजगार मेला लगेगा। विवि के कुलपति ने बताया कि मेले में टाटा मोटर्स, फ्लिपकार्ट समेत 21 कंपनियां हिस्सा लेंगी। 1500 पदों पर अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। 12वीं उत्तीर्ण, स्नातक,परास्नातक व डिप्लोमाधारी आवेदन करें।

February 2026

भाषा विश्वविद्यालय में रोजगार मेला आज

कार्यालय संवाददाता

लखनऊ । भाषा विश्वविद्यालय में मंगलवार को 21 कम्पनियां विभिन्न दों के लिये 1500 अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। सेवायोजन विभाग के हयोग से आयोजित रोजगार मेले में 12वीं उत्तीर्ण, स्नातक, परास्नातक एवं डिप्लोमा धारक अभ्यर्थी हिस्सा ले सकते हैं। भाषा विश्वविद्यालय के लपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि मेले में टाटा मोटर्स, फ्लिपकार्ट समेत 1 निजी कंपनियां हिस्सा लेंगी। इस बाबत दी गई जानकारी में बताया गया क अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। बताया गया कि अब तक 1300 से अधिक अभ्यर्थी पंजीकरण करा चुके हैं। चुके अभ्यर्थियों को रोजगार मेले में सुबह 9:30 बजे दस्तावेजों के साथ हुंचना होगा।

February 2026

लखनऊ, 10 फरवरी, 2026 दैनिक जागरण

भाषा विश्वविद्यालय में रोजगार मेला आज

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में सेवायोजन विभाग के सहयोग से आज रोजगार मेले का आयोजन होगा। इसमें टाटा मोटर्स, फ्लिपकार्ट सहित कुल 21 प्रतिष्ठित निजी कंपनियां भाग लेंगी, जिनके माध्यम से लगभग 1500 पदों पर भर्ती की जाएगी। इस मेले में 12वीं पास, स्नातक, परास्नातक एवं डिप्लोमा धारक अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को प्रोमोटर, असिस्टेंट मैनेजर, एटीएम आफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव व पदों पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। वि.

February 2026

my city
लखनऊ | मंगलवार • 10.02.2026
अमर उजाला
7

भाषा विश्वविद्यालय में रोजगार मेला आज

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में मंगलवार को सेवायोजन विभाग के सहयोग से एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन होगा। इस मेले में टाटा मोटर्स, फ्लिपकार्ट सहित कुल 21 प्रतिष्ठित निजी कंपनियां भाग लेंगी, जिनके माध्यम से लगभग 1500 पदों पर भर्ती की जाएगी। इस रोजगार मेले में 12वीं पास, स्नातक, परास्नातक एवं डिप्लोमा धारक अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को प्रोमोटर, असिस्टेंट मैनेजर, एटीएम ऑफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव सहित विभिन्न पदों पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। मेले में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों का रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य है। सभी प्रतिभागियों के लिए रिपोर्टिंग समय सुबह 9:30 बजे निर्धारित किया गया है। (संवाद)

February 2026

लखनऊ, 10 फरवरी, 2026 दैनिक जागरण

बिना फीस नहीं भरे जाएंगे परीक्षा फार्म

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के सम सेमेस्टर में पढ़ने वाले अधिकतर छात्र-छात्राओं ने अब तक पंजीकरण एवं सेमेस्टर शुल्क नहीं जमा किया है। यह स्थिति तब है जबकि 17 जनवरी को ही इस संबंध में निर्देश जारी किए जा चुके हैं। बिना शुल्क जमा किए परीक्षा फार्म नहीं भा जा सकेगा। ऐसे में 15 फरवरी तक अनिवार्य रूप् से विद्यार्थियों को शुल्क जमा करने के लिए कहा गया है।

परीक्षा नियंत्रक विकास की ओर से जारी पत्र के अनुसार विश्वविद्यालय के सभी विभागों को मिलाकर अभी तक सिर्फ 807 छात्र-छात्राओं ने ही शुल्क जमा किया है। अधिकतर विद्यार्थियों ने इसे नहीं जमा किया। अभी बिना विलंब शुल्क के ही सेमेस्टर शुल्क जमा करने का मौका है। इसलिए छात्र-छात्राएं समय से यह प्रक्रिया पूरी कर लें ताकि विलंब शुल्क न देना पड़े। इसके बाद ही परीक्षा फार्म भी भराए जाने की प्रक्रिया शुरू होगी।

हिन्दुस्तान लखनऊ, मंगलवार, 10 फरवरी 2026 06

भाषा विवि में रोजगार मेला आज

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में मंगलवार को 21 कम्पनियां विभिन्न पदों के लिये 1500 अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। सेवायोजन विभाग के सहयोग से आयोजित रोजगार मेले में 12वीं उत्तीर्ण, स्नातक, परास्नातक एवं डिप्लोमा धारक अभ्यर्थी हिस्सा ले सकते हैं। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि मेले में टाटा मोटर्स, फ्लिपकार्ट समेत 21 कंपनियां हिस्सा लेंगी। 9:30 बजे दस्तावेजों के साथ पहुंचे।

तृतीय लिंग की हाशिये से मुख्यधारा तक की यात्रा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार फ्रॉम मार्जिन्स टू मेनस्ट्रीम द जर्नी ऑफ थर्ड जेंडर का समापन वैलेडिक्टरी सैरेमनी के साथ गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह सेमिनार तृतीय लिंग की सामाजिक, विधिक, शैक्षणिक तथा नीतिगत यात्रा पर केंद्रित रहा। वैलेडिक्टरी सत्र अकादमिक भवन में आयोजित किया गया। वैलेडिक्टरी सत्र की शुरुआत विभागाध्यक्ष एवं निदेशक डॉ. पियूष कुमार त्रिवेदी के स्वागत उद्बोधन से हुई। इसके पश्चात अतिथियों का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ समावेशी एवं संवेदनशील समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। सेमिनार की संयोजक डॉ. श्वेता त्रिवेदी ने वैलेडिक्टरी सत्र में संक्षिप्त एवं सारगर्भित सेमिनार प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने दोनों दिनों में आयोजित सत्रों, प्रमुख विषय-वस्तुओं तथा उनसे प्राप्त निष्कर्षों को रेखांकित करते हुए बताया कि सेमिनार में तृतीय लिंग की पहचान, अधिकार, प्रतिनिधित्व, सामाजिक स्वीकृति तथा मुख्यधारा में समावेशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर एवं सार्थक विमर्श हुआ। उन्होंने प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता और संवादात्मक सत्रों को सेमिनार की प्रमुख उपलब्धि बताया।

विशेष अतिथि के रूप में नाज़ फ़ाउंडेशन इंटरनेशनल, लखनऊ के निदेशक आरिफ़ ज़फ़र ने विशेष संबोधन दिया। उन्होंने संस्था के कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि नाज़ फ़ाउंडेशन इंटरनेशनल एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो उत्तर प्रदेश के विभिन्न ज़िलों में तृतीय लिंग समुदाय सहित अन्य हाशिए पर खड़े वर्गों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, एचआईवी/एड्स जागरूकता, ग्रामीण विकास, गरीबी उन्मूलन एवं कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। उन्होंने हाशिए पर पड़े समुदायों के सशक्तिकरण में गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका तथा सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए जमीनी स्तर पर सहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया।

विशेष अतिथि के रूप में राज्यसभा सचिवालय, संसद भवन, भारत के निदेशक महेश तिवारी ने अपने संबोधन में संसद की विधायी प्रक्रिया, विधेयकों के प्रस्तुतीकरण एवं विमर्श की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार कानून निर्माण और संसदीय बहसें तृतीय लिंग सहित सभी वर्गों के अधिकारों को सुदृढ़ करने में सहायक होती हैं। उनका संबोधन अकादमिक अध्ययन को वास्तविक विधायी प्रक्रियाओं से जोड़ने वाला रहा। मुख्य अतिथि के रूप में बालकृष्ण एन. रंजन, एचजेएस, विशेष सचिव (विधि) एवं अपर विधायी एवं विनियामक कार्य, उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने संबोधन में तृतीय लिंग समुदाय से जुड़े विधिक एवं नीतिगत अनुभव साझा किए।

February 2026

भाषा विश्वविद्यालय में होगा 10 फरवरी को रोजगार मेले का आयोजन

नेक्स्ट मीडिया

लखनऊ ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय परिसर में दिनांक 10 फरवरी को सेवायोजन विभाग, उत्तर प्रदेश के सहयोग से एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार मेले में टाटा मोटर्स, फ्लिपकार्ट सहित 21 प्रतिष्ठित निजी कंपनियां प्रतिभाग करेंगी, जिनके माध्यम से लगभग 1500 पदों पर भर्ती की जाएगी। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अजय तनेजा ने बताया कि रोजगार मेला विद्यार्थियों एवं युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। यह रोजगार मेला छात्रों एवं युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध होगा। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. सुमन कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि इस रोजगार मेले में 12वीं उत्तीर्ण, स्नातक, परास्नातक एवं डिप्लोमा धारक अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को प्रोमोटर, असिस्टेंट मैनेजर, एटीएम ऑफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव सहित विभिन्न पदों पर नियुक्ति के अवसर प्राप्त होंगे। रोजगार मेले में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों का सेवायोजन विभाग के संगम पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य है। प्रतिभागियों को अपनी पंजीकरण संख्या के साथ सभी आवश्यक शैक्षिक दस्तावेज साथ लाने होंगे। रोजगार मेले के लिए अभ्यर्थियों का रिपोर्टिंग समय प्रातः 9:30 बजे निर्धारित किया गया है।

भाषा विश्वविद्यालय में होगा 10 फरवरी को रोजगार मेले का आयोजन

(संवाददाता)

लखनऊ 08 फरवरी (एस एस बुलेटिन) ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय परिसर में दिनांक 10 फरवरी को सेवायोजन विभाग, उत्तर प्रदेश के सहयोग से एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार मेले में टाटा मोटर्स, फ्लिपकार्ट सहित 21 प्रतिष्ठित निजी कंपनियां प्रतिभाग करेंगी, जिनके माध्यम से लगभग 1500 पदों पर भर्ती की जाएगी। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अजय तनेजा ने बताया कि रोजगार मेला विद्यार्थियों एवं युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। यह रोजगार मेला छात्रों एवं युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध होगा। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. सुमन कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि इस रोजगार मेले में 12वीं उत्तीर्ण, स्नातक, परास्नातक एवं डिप्लोमा धारक अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को प्रोमोटर, असिस्टेंट मैनेजर, एटीएम ऑफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव सहित विभिन्न पदों पर नियुक्ति के अवसर प्राप्त होंगे।रोजगार मेले में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों का सेवायोजन विभाग के 'संगम पोर्टल' पर पंजीकरण अनिवार्य है। प्रतिभागियों को अपनी पंजीकरण संख्या के साथ सभी आवश्यक शैक्षिक दस्तावेज साथ लाने होंगे। रोजगार मेले के लिए अभ्यर्थियों का रिपोर्टिंग समय प्रातः 9रू30 बजे निर्धारित किया गया है।

February 2026

तृतीय लिंग पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। खूवाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार फ्रॉम मार्जिन्स टू मेनस्ट्रीम- द जर्नी ऑफ थर्ड जेंडर का वैलेडिक्टरी सत्र के साथ भव्य समापन हुआ। सेमिनार में तृतीय लिंग समुदाय की सामाजिक, विधिक, शैक्षणिक और नीतिगत यात्रा पर व्यापक चर्चा की गई। समापन सत्र की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ. पियूष कुमार त्रिवेदी के स्वागत उद्बोधन से हुई। संयोजक डॉ. श्वेता त्रिवेदी ने सेमिनार रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि दोनों दिनों में तृतीय लिंग के अधिकार, पहचान, प्रतिनिधित्व और सामाजिक समावेशन जैसे विषयों पर गंभीर विमर्श हुआ। नाज़ फाउंडेशन इंटरनेशनल के निदेशक आरिफ ज़फ़र ने संस्था के कार्यों की जानकारी दी। वहीं राज्यसभा सचिवालय के निदेशक महेश तिवारी ने संसद की विधायी प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि बालकृष्ण एन. रंजन ने तृतीय लिंग समुदाय से जुड़े नीतिगत अनुभव साझा किए। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि ऐसे विषय समाज में समानता और समावेशन को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए और अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंट किए गए। धन्यवाद ज्ञापन अंशुल पांडेय ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

February 2026

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० टाइम्स ऑफ इंडिया लखनऊ दिनांक 04 FEB 2026

Students set to gain with virtual lab

Lucknow: Khwaja Moinuddin Chishti Language University (KMCLU) students are set to benefit in digital education with the formal affiliation of the IIT Roorkee Virtual Lab, effective from the 2026-27 academic session.

Through the virtual lab, students will gain the ability to conduct simulation-based experiments, practice interactive modules, and use digital practical tools that mirror real life laboratory experiences. The platform allows self paced learning, enabling students to explore complex concepts and perform experiments virtually, even without physical lab setups.

The initiative will improve technical skills, experimental understanding, and problem-solving abilities, while also fostering independent learning habits. Students can access subject specific digital content, perform virtual experiments, and engage in hands-on practice in a safe and controlled online environment.

Nodal officer of virtual lab, Hemant Kumar Singh said, "The virtual lab initiative will create new opportunities for technology driven learning. By combining simulation based experiments with interactive modules, students will gain practical skills while reinforcing their theoretical understanding."

February 2026

भाषा विश्वविद्यालय में 32वीं वित्त समिति की बैठक सम्पन्न

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में 32वीं वित्त समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें समिति के सदस्यों की उपस्थिति में विश्वविद्यालय से जुड़े शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं छात्रहित के विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि विद्यार्थियों के शारीरिक स्वास्थ्य और प्रशिक्षण को बेहतर बनाने के उद्देश्य से फिजिकल एजुकेशन विभाग में एक व्यायाम प्रशिक्षक (ट्रेनर) की नियुक्ति की जाएगी। वहीं विश्वविद्यालय में तकनीकी कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए कंप्यूटर प्रोग्रामर के एक पद को भी स्वीकृति प्रदान की गई। समिति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में कार्यरत विषय प्रभारियों को विभागीय आवश्यकताओं के लिए ?2500 प्रतिमाह कंटिजेंसी फंड देने का निर्णय लिया। इसके साथ ही प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों, छात्रावास वार्डन्स एवं प्रोवोस्ट को उनके दायित्वों को देखते हुए मानदेय दिए जाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। बैठक में विश्वविद्यालय के समग्र विकास और गुणवत्ता सुधार को लेकर सदस्यों ने सुझाव भी प्रस्तुत किए।

February 2026

लखनऊ विश्वविद्यालय में शोधः बैठकों में प्रभावी संवाद की भूमिका पर महत्वपूर्ण अध्ययन

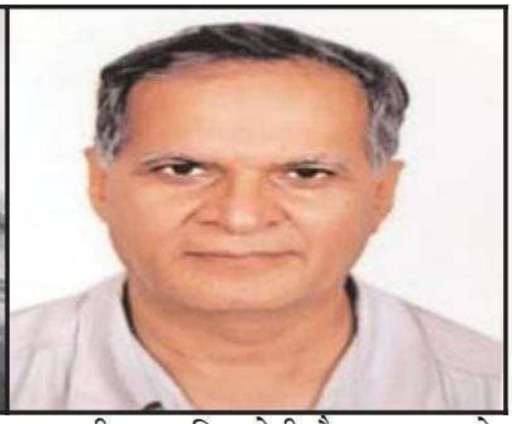

लखनऊ,धारा न्यूज। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की शिक्षिका डॉ. रुचिता सुजय चौधरी और छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग में संयुक्त निदेशक अरुण कुमार सिन्हा द्वारा एक महत्वपूर्ण शोध किया गया है, जो व्यावसायिक एवं सामाजिक बैठकों में अंतरव्यक्तीय संचार की भूमिका पर केंद्रित है। यह शोध दुपट्टा से इंटरनेशनल जर्नल का मीडिया एंड कम्युनिकेशन रिसर्च के वॉल्यूम 7, अंक 1 (2026) में प्रकाशित हुआ है। साथ ही शोध में पाया गया है कि बैठकों की सफलता केवल औपचारिक प्रक्रियाओं या निर्धारित एजेंडे पर निर्भर नहीं करती, बल्कि सक्रिय सुनवाई, सहानुभूति, गैर-मौखिक संप्रेषण और समान सहभागिता जैसे मानवीय तत्वों पर भी आधारित होती है। अध्ययन के अनुसार, जब प्रतिभागी एक-दूसरे को ध्यानपूर्वक सुनते हैं और सम्मानजनक संवाद बनाए रखते हैं, तो बैठकों में विश्वास, सहयोग तथा निर्णय-निर्माण की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होता है। शोधकताओं ने सुझाव दिया है कि बैठकों के संचालकों को समावेशी और संवाद-मैत्रीपूर्ण वातावरण विकसित करना चाहिए, ताकि सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने शोध की सराहना करते हुए कहा कि यह अध्ययन न केवल अकादमिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि प्रशासनिक, शैक्षणिक और व्यावसायिक बैठकों को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में व्यावहारिक मार्गदर्शन भी प्रदान करता है।

February 2026

ग्लोबल फेम फाउंडेशन जीएफएफ यूपी के तत्वाधान में नुक्कड़ नाटक कर किया लोगों को किया जागरूक

लखनऊ,धारा न्यूज। बख्शी का तालाब क्षेत्र स्थित सैरपुर बाजारमेंआज दिनांक 3 फरवरी 2026 को कैंसर दिवस के उपलक्ष में संस्कृत विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से जीपी यादव (राहुल) के निर्देशन में नाटक" हार गया कैंसर" का मंचन शेरपुर बाजार बक्शी का तालाब लखनऊ में किया गया नाटक के माध्यम से कलाकारों ने कैंसर होने के प्रमुख कारण व कैंसर से बचाव के लिए आम जनमानुष को जागरूक किया। नाटक में कृषक इंटर कॉलेज के पप्रधानाचार्य बलराम वर्मा विद्यालय के समस्त शिक्षक व विद्यार्थी नाटक में मौजूद रहे ।

नाटक के मुख्य भूमिका में जीपी यादव (राहुल), कमल किशोर लोधी, कौशलेंद्र बहादुर श्रीवास्तव ,किशन जी लोधी, रजनीश कुमार, टीना कटियार, सपना गजल, पूनम, रानू सिक्का, आदि कलाकारों ने मनोरंजन के साथ-साथ आम जनमानस को जागरूक किया।

February 2026

लखनऊ | मंगलवार • 03.02.2026

अमर उजाला 7

जैव प्रौद्योगिकी पर कार्यशाला शुरू

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के एफओईटी स्थित एटल हॉल में सोमवार को हैंड्स-ऑन वर्कशॉपः माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी तकनीकें व उपकरण विषय पर छह दिवसीय राष्ट्रीय वर्कशॉप का उद्घाटन हुआ। वर्कशॉप का आयोजन बायोटेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग विभाग ने बायोवर्स टेक्नोलॉजीज के सहयोग से किया। उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. अजय तनेजा, भारतीय माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. एएम. देशमुख, पूर्व कुलपति प्रो. डी.एस. चौहान सहित कई विशेषज्ञों ने विचार रखे। (माई सिटी रिपोर्टर)

February 2026

भाषा विवि में फ्यूचरिस्टिक आइडियाज़ एंड स्टार्टअप इनोवेशन फोरम का आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में 02 फरवरी 2026 को विद्यार्थियों में नवाचार एवं उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से फ्यूचरिस्टिक आइडियाज़ एंड स्टार्टअप इनोवेशन फोरम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के भविष्योन्मुख एवं नवोन्मेषी विचारों की पहचान कर उन्हें स्टार्टअप के रूप में विकसित करने हेतु मार्गदर्शन, मेंटरशिप और इनक्यूबेशन सहयोग प्रदान करना रहा। फोरम के अंतर्गत स्टार्टअप इकोसिस्टम की समझ, वर्तमान स्टार्टअप परिदृश्य, चरणबद्ध हैंडहोल्डिंग मॉडल तथा विद्यार्थियों के विचारों के विकास एवं प्रस्तुतीकरण पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान 190 प्रतिभागियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया एवं 16 उत्कृष्ट विचारों का चयन किया गया। चयनित विचारों को आगे विशेषज्ञ मेंटरिंग, बिज़नेस वैलिडेशन, प्रोटोटाइप डेवलपमेंट एवं इनक्यूबेशन सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस अवसर अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन के वाईस चेयरमैन प्रो. सैयद हैदर अली ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने का केंद्र नहीं, बल्कि नवाचार, नेतृत्व और उद्यमशील सोच को विकसित करने की प्रयोगशाला है। विद्यार्थियों के विचारों को यदि संरचित मार्गदर्शन और संस्थागत समर्थन मिले, तो वे सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं। इस अवसर पर राफ्ट्स एंड रिवर्स के डायरेक्टर नृपिन भट्ट ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं के पास समस्याओं को अवसर में बदलने की अद्भुत क्षमता होती है। सही मार्गदर्शन और निरंतर मेंटरशिप से छात्र अपने विचारों को सफल स्टार्टअप में परिवर्तित कर सकते हैं। इस प्रकार के मंच नवाचार को दिशा देने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं।